Amar Ujala Edition Allahabad
6.3.2017 Page 11
Height 25.41cm Width 12.54 cm

आधार डाटा पूरी तरह सुरक्षित होने का दावा

खास खबर

गत पांच साल में बायोमेट्रिक आंकड़ों के दुरुपयोग से पहचान की चोरी और वित्तीय नुकसान की एक भी घटना सामने नहीं आई

अमर उजाला ब्यूरो

नई दिल्ली।

बायोमेट्रिक डाटा के दुरुपयोग की रिपोर्टों को खारिज करते हुए सरकार ने रविवार को कहा कि आधार सत्यापन प्रणाली पूरी तरह सुरक्षित है। यही नहीं, आधार से जुड़े सब्सिडी हस्तांतरण के चलते गत ढाई साल में 49,000 करोड़ रुपये की राजस्व बचत हुई है। भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई) के मुताबिक गत पाचं साल के दौरान 400 करोड़ से भी अधिक आधार सत्यापित लेन-देन हुए हैं, लेकिन आधार बायोमेट्रिक आंकड़ों के दुरुपयोग से पहचान की चोरी और वित्तीय नुकसान की एक भी घटना सामने नहीं आई है।

प्राधिकरण ने कहा कि उसने विभिन्न रिपोर्टों पर गहराई से गौर किया है और वह कहना चाहेगा कि किसी भी प्रकार से यूआईडीएआई डाटाबेस का दुरुपयोग नहीं हुआ है और यूआईडीएआई के पास मौजूद लोगों के गोपनीय डाटा पूरी तरह से सुरक्षित हैं। प्राधिकरण ने कहा कि आधार आधारित सत्यापन प्रणाली किसी भी प्रकार की मौजूदा प्रणाली के मुकाबले पूरी तरह से दुरुस्त और सुरक्षित है। आधार प्रणाली में बायोमेट्रिक आंकड़ों के दुरुपयोग और पहचान की चोरी जैसी किसी भी घटना की जांच करने की क्षमता है और वह इस पर कार्रवाई कर सकती है। एक समाचार पत्र में बायोमेट्रिक के दुरुपयोग की एक घटना पर प्रकाशित एक खबर के संदर्भ में प्राधिकरण ने कहा कि वह एक अपवाद मामला था, जिसमें एक बैंक की बिजनेस कॉरसपोंडेंट कंपनी के एक कर्मचारी ने अपने ही बायोमेट्रिक आंकड़ों के दुरुपयोग की कोशिश की थी, जो यूआईडीएआई की आंतरिक सुरक्षा प्रणाली की पकड़ में आ गई और इसके बाद आधार अधिनियम के तहत कार्रवाई शुरू की गई।

प्राधिकरण ने आगे कहा कि आधार सरकार और लोगों के सशक्तीकरण के लिए एक महत्वपूर्ण उपकरण है। आधार ई-केवाईसी के जरिए 4.47 करोड़ से अधिक लोगों को बैंक में खाता खुलवाने में मदद मिली है।